



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 02 नवंबर, 2021

'आरमी एवैशन कोर' का 36वाँ स्थापना दविस

01 नवंबर, 2021 को 'आरमी एवैशन कोर' द्वारा अपना 36वाँ स्थापना दविस मनाया गया। 'आरमी एवैशन कोर' अथवा सेना वमिनन कोर भारतीय सेना का एक घटक है जिसका गठन 1 नवंबर, 1986 को किया गया था। 'आरमी एवैशन कोर' द्वारा नभिआई जाने वाली मुख्य भूमिकाओं में सैन्य परीक्षण, नगिरानी, हताहत लोगों की नकिसी, आवश्यक वस्तुएँ पहुँचाना, युद्ध के दौरान खोज एवं बचाव कार्य आदि शामिल हैं। 'आरमी एवैशन कोर' के हेलीकॉप्टर शांतकाल में मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियानों में भी भाग लेते हैं। कुछ स्थितियों में आरमी एवैशन कोर भी 'एयरबोर्न कमांड पोस्ट' (Airborne Command Posts) के रूप में कार्य कर सकता है और यदि आवश्यक हो तो वे 'ग्राउंड कमांड पोस्ट' (Ground Command Posts) की भी जगह ले सकते हैं। गौरतलब है कि यह सयिाचनि ग्लेशयिर सहति ऊँचाई वाले क्षेत्रों में सेना की तैनाती में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिता है। जून 2021 में सेना वमिनन कोर में पहली बार हेलीकॉप्टर पायलट ट्रेनिंग के लयि दो महलिा अधिकारियों का चयन किया गया था। वे जुलाई 2022 में अपना प्रशकिषण पूरा करने के बाद फ्रंट-लाइन फ्लाईंग ड्यूटी में शामिल होंगी।

'डेयरी सहकार' योजना

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमति शाह ने अमूल के 75वें स्थापना वर्ष समारोह के अवसर पर 'डेयरी सहकार' योजना का शुभारंभ किया है। 'डेयरी सहकार' योजना को 5000 करोड़ रुपए के नविश के साथ भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के अधीन 'राष्ट्रीय सहकारी विकास नगिम' (NCDC) द्वारा क्रयिान्वति किया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य 'सहकारिता से समृद्धतिक' के लक्ष्य को प्राप्त करना है। इस योजना के माध्यम से डेयरी सहकार के तहत पात्र सहकारी संस्थाओं की वतितीय मदद की जाएगी, ताकि वे पशुधन विकास, दूध की खरीद, प्रसंसकरण, गुणवत्ता सुनशिचतिता, मूल्य संवर्द्धन, पैकेजिंग, वपिणन, माल यातायात, दूध और दुग्ध उत्पादों के भंडारण तथा 'कसिनो की आय दोगुनी करने' व 'आत्मनरिभर भारत' के समग्र उद्देश्य के तहत दुग्ध उत्पादों के नरियात संबंधी गतविधियिँ चला सकें। ज्ञात हो कि केंद्रीय मत्सयपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अधीन पशुपालन एवं डेयरी वभिाग, पशुपालन तथा डेयरी सेक्टर के विकास के लयि वभिनिन योजनाओं का भी क्रयिान्वयन कर रहा है। 'डेयरी सहकार' योजना से देश के डेयरी सेक्टर को मज़बूत करने के मौजूदा प्रयासों को बल मलिगा।

तटरक्षक जहाज़ 'सारथक'

राष्ट्र की समुद्री सुरक्षा की दशिा में एक महत्त्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए स्वदेशी रूप से नरिमति भारतीय तटरक्षक जहाज़ 'सारथक' को भारतीय तटरक्षक द्वारा कमीशन किया गया। भारतीय तटरक्षक जहाज़ 'सारथक' गुजरात के पोरबंदर में स्थति रहेगा और तटरक्षक क्षेत्र (उत्तर-पश्चिम) के कमांड के संचालन तथा प्रशासनिक नयितरण के तहत भारत के पश्चिमी समुद्र तट से संचालति होगा। 'सारथक' जहाज़ की कमान उप-महानरीक्षक 'एम.एम. सैयद' के पास है और इसमें 11 अधिकारी तथा 110 अन्य कर्मी शामिल हैं। 'सारथक' जहाज़ 'गोवा शपियार्ड लमिटिड' द्वारा भारतीय तटरक्षक बल के लयि बनाए जा रहे पाँच 'ऑफशोर पेट्रोल व्हीकल' (OPVs) की शृंखला में चौथा है। 'ऑफशोर पेट्रोल व्हीकल' एक बहु-मशिन प्लेटफॉर्म हैं, जो समवर्ती संचालन में सक्षम हैं। 105 मीटर लंबा यह जहाज़ दो 9,100 कलिवाट डीज़ल इंजन द्वारा संचालति है, जिसे 26 समुद्री मील की अधिकतम गति के साथ डज़ाइन किया गया है। यह जहाज़ अत्याधुनिक उपकरणों, मशीनरी, सेंसर और हथियारों से सुसज्जति है।

सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक परविहन प्रणाली: सूरत

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय की हालयिा घोषणा के मुताबकि, सूरत शहर ने देश में 'सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक परविहन प्रणाली' का पुरस्कार जीता है, जबकि कोचकि को सबसे 'सतत् परविहन प्रणाली' वाला शहर माना गया है। ये पुरस्कार आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सहि पुरी द्वारा एक दविसीय 'अरबन मोबलिटी इंडयिा कॉन्फरेंस' के अंत में प्रदान कयि गए। इसके अलावा राजधानी दलिी को 'चांदनी चौक पुनरविकास परयोजना' हेतु सर्वश्रेष्ठ गैर-मोटर चालति परविहन प्रणाली वाले शहर का पुरस्कार मलिा। साथ ही दलिी ने 'सर्वश्रेष्ठ मेट्रो यात्री सेवा' का पुरस्कार भी जीता। ज्ञात हो कि विरतमान में दुनयिा की शहरी आबादी, कुल आबादी का तकरीबन 56% है, जो कि वर्ष 2030 तक 60% तक बढ़ जाएगी और इस वृद्धिका लगभग 90% एशयिा एवं अफ्रीका में दर्ज कयि जाएगा। ऐसे में इस पुरस्कार का उद्देश्य सतत् शहरी विकास को बढ़ावा देने हेतु कयि जा रहे प्रयासों को मान्यता प्रदान करना है।

